MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri S. Selvaganabathy: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal) and Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh).

Shri Niranjan Bishi on the issue 'Regarding Establishment of Kendriya Vidyalaya in Titlagarh, Odisha'.

Establishment of a Kendriya Vidyalaya (KV) in Titlagarh, Odisha

SHRI NIRANJAN BISHI (Odisha): Thank you, Mr. Deputy Chairman, Sir, for allowing me to raise this matter of urgent public importance. It is regarding establishment of a Kendriya Vidyalaya at Titlagarh in Bolangir District, Odisha, in coordination with and financial support from the East Coast Railway, Bhubaneswar, Odisha. I would like to draw the kind attention of the Government of India, through you, Sir, to this matter. The District Administration and Education Department had arranged temporary accommodation at Dhubaleshwar Government, upgraded high school for the functioning of Kendriya Vidyalaya at Titlagarh. However, despite fulfilling prerequisites since November 2020, no further action has been taken by the Government of India towards the establishment of Kendriya Vidyalaya. Titlagarh being an underprivileged area urgently requires educational support, especially through a Kendriya Vidyalaya, to benefit the children of Central Government employees working in the Departments of Railways, Posts, Bank, Insurance, Bhartiya Khadya Nigam, BSNL employees and also employees working under the Government of Odisha. Hence, I urge the Government to direct the Kendriya Vidyalaya Sangathan authorities to expedite the pending process swiftly ensuring the establishment of Kendriya Vidyalaya at Titlagarh in time for the upcoming academic session. The initiative aligns with our commitment to providing quality education in underdeveloped region and fulfilling the educational needs of the students belonging to the employees of the Government of India and the employees of the State Government. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Niranjan Bishi: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Shri Deepak Prakash on 'Issue of brain drain in Jharkhand.'

Issue of brain drain in Jharkhand

श्री दीपक प्रकाश (झारखंड) : उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से झारखंड राज्य की साढ़े तीन करोड़ मर्माहत जनता की भावनाओं से सदन को अवगत कराना चाहता हूं। झारखंड राज्य खनिज सम्पदा से परिपूर्ण राज्य है। इसे रत्नगर्भा प्रदेश भी कहा जाता है। ईश्वर ने और प्रकृति ने दोनों हाथों से इस प्रदेश को वरदान दिया है। यह प्रदेश आयरन ओर, कोयला, तांबा, सोना, ग्रेनाइट, यूरेनियम, लीथियम, बॉक्साइट जैसी अनेक खनिज सम्पदाओं से परिपूर्ण प्रदेश है।

महोदय, मैं आज आपके सामने इस विषय को इसलिए रखना चाहता हूं कि हालांकि यह प्रदेश खनिज सम्पदा से परिपूर्ण है, लेकिन वहां की राज्य सरकार की नीति और नीयत में खोट है। सर, केन्द्र सरकार द्वारा लगातार सारी formalities पूरी करने के बावजूद वहां की राज्य सरकार आयरन ओर को खोलने के लिए तैयार नहीं है। वहां पर राज्य सरकार एक तरह से आयरन ओर को बंद करने के लिए विवश कर रही है। सर, वहां पर एक भी आयरन ओर खुला हुआ नहीं है। हम यह भी जानते हैं कि कोयले का यहां पर ऑक्शन होने के बाद लोगों को लीज़ मिल रही है, लेकिन ज़मीन का अधिग्रहण उस राज्य की सरकार की नीयत में खोट होने के कारण नहीं हो रहा है, जिसके कारण उद्योग और उद्योग के माध्यम से रोजगार का जो सृजन होता है, उसमें कुल मिलाकर बाधा पड़ी हुई है और वहां से उद्योग और उद्योगपति लगातार दूसरे प्रदेश में पलायन कर रहे हैं। वहां पर लोग बेरोजगारी को तो झेल ही रहे हैं, साथ ही कई अपराधी, संगठित अपराधी गिरोह अपने आप को उसमें शामिल कर रहे हैं। सर, चाय बागान उसका उदाहरण है।

सर, मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि माइनिंग लीज़ पर होने के बाद भी जो आयरन ओर की माइन्स नहीं खुलती हैं, उसके पीछे संगठित अपराधियों का एक गिरोह है, जो इल्लीगल माइनिंग करते हैं, * सर, यह बहुत दुखद बात है।

श्री उपसभापति : दीपक जी, ध्यान रखें जो कमेंट्स आप कर रहे हैं, वे नहीं करें।

श्री दीपक प्रकाश : सर, वहां से लोग पलायन कर रहे हैं। उनके पलायन के मूल कारणों को तो हम लोगों को समझना पड़ेगा। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. ...(*Interruptions*)...

श्री दीपक प्रकाश : हम केरल की बात नहीं कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... हम केरल की बात नहीं कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... हम भ्रष्टाचार की भी बात नहीं कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... वहाँ के जमीन घोटाले की बात नहीं कर रहे हैं, वहाँ के शराब घोटाले की भी बात नहीं कर रहे हैं।

---

* Expunged as ordered by the Chair.